स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर – 335001

Phone : 0154 – 2440619, Fax : 0154 – 2440703, web. : www.raubikaner.org Email : arssgnr2003@gmail.com

मौसम आधारित कृषि साप्ताहिकी

(**Agromet Advisory Bulletin No. : 94/2024**)

जिला – श्रीगंगानगर जारी करने की तिथि : 23.02.2024

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः पिछले 5 दिनों के दौरान हल्के से मध्यम बादल छाये रहे व इस दौरान अधिकतम तापमान 23.0–28.1 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 9.8–11.3 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहा। इस दौरान हल्की से मध्यम गति की हवायें दक्षिण दिशा से चली।

आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः राज्य मौसम विभाग जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर श्रीगंगानगर में आगामी 5 दिनों के दौरान आसमान में दिनांक 25 व 26 फरवरी को मध्यम से घने बादल छाये रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 22.0–24.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 8.0–12.0 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान हल्की से मध्यम गति की हवायें परिवर्तनशील दिशा से चलने की संभावना है।

दिनांक	23 फरवरी	24 जनवरी	25 फरवरी	26 फरवरी	27 फरवरी
वर्षा (मि.मी)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	24	23	23	22	22
न्यूनतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	8	9	9	11	12
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	1	7	8	0
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) अधिकतम	29	37	27	30	56
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) न्यूनतम	11	14	13	23	20
हवा की गति (कि.मी./घंटा)	13	19	12	8	10
हवा की दिशा	East	East	North	NW	North

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्ताह में प्रथम चार दिनों के मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाईयों को निम्न सलाह दी जाती है एवं मौसम की दैनिक जानकारी के लिये अपने मोबाइल में **मेघदूत, मौसम और दामिनी ऐप** एवं फसल के लिये **(gram ganganagar, mustard ganganagar, wheat ganganagar, kinnow ganganagar & cotton ganganagar)** प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड करें।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह (Agricultural Advisory)
गेहूँ	बाली बनना	सिंचाई	• समय पर बोई गई गेहूं की फसल में चौथी सिचांई तीसरी सिंचाई के 15–20 दिन बाद (बाली आने पर) देवें। पिछेती बोई गई गेहूँ की फसल में तीसरी सिंचाई दूसरी सिंचाई के 25–30 दिन बाद (गांठ बनने पर) करे।
		दीमक नियंत्रण	• गेहूँ की फसल में दीमक का अत्यधिक प्रकोप होने पर क्लोरोपाइरीफॉस (20 ई.सी.) 1 लीटर या इमिडाक्लोप्रिड (17.8 एस.एल.) का 125 मिली. प्रति बीघा की दर से सिंचाई पानी के साथ देवें।
		पीली रोली रोग	• यदि गेहूँ की अगेती फसल में पत्तियों पर पीले (हल्दिया) रंग का पाउडर रेखीय धारियों के रूप में दिखाई देवें तो इसके नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजॉल 25 ई.सी. या टेबूकोनाजॉल 25.9 ई.सी. का एक मिली. लीटर पानी की दर से बनाकर छिड़काव करें।
सरसों	पुष्प व फली बनना	सिंचाई	• यदि फसल को तीसरी सिंचाई की आवश्यकता हो तो बुवाई के 90–100 दिन बाद (फलियों में दाना बनते समय) देवें।
		छाछ्या रोग	• इस रोग के लक्षण शुरू में पौधे की पत्तियों व टहनियों पर मटमैले सफेद चूर्ण के रूप में दिखाई देवें, जो बाद में सम्पूर्ण पौधे में फैल जाती है तत्पश्चात् पत्तियां पीली होकर झड़ जाती है। लक्षण दिखाई देने पर डाईनोकेप 48 ई.सी. 0.1 प्रतिशत घोल (1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर) या सल्फर डस्ट 5 किग्रा या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) प्रति बीघा के हिसाब से छिड़काव करे।
		तना गलन	• सरसों की फसल में तना गलन व झुलसा रोग होने पर कार्बेडाजिम 12 प्रतिशत एवं मेन्कोजेब 63 प्रतिशत के मिश्रण का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
चना	पुष्पन अवस्था	सिंचाई निराई	• यदि फसल में आवश्यकता हो तो दूसरी सिंचाई बुवाई के 90–100 दिन बाद (फली आने पर) देवें। अगर एक ही सिंचाई देनी हो तो बुवाई के 60–65 दिन बाद देवें। सिंचाईयाँ हल्की हो यह ध्यान रखना चाहिए। चने की फसल में कसिये से एक बार निराई गुडाई करें।
		हरी लट	• फली छेदक से बचाव के लिए फरवरी माह से एक फेरोमेन ट्रेप प्रति बीघा में लगाये अथवा चनें में यदि हरी लट दिखाई देवें तो इसके नियंत्रण हेतु क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत 6 किलो प्रति बीघा की दर से फसल पर भुरकाव करें।
जौ	गांठ व बाली	सिंचाई	• यदि बाली निकलने समय पानी की कमी हो तो सिंचाई करे।
		रोली रोग	• फसल में रोली रोग के लक्षण दिखाई देने पर गंधक पाउडर 25 किग्रा प्रति हैक्टेयर सुबह या शाम के समय बुरकाव करे। यह बुरकाव 15–20 दिन के अंतराल पर करे।
गन्ना	कटाई	–	• किसान भाई गन्ने की फसल की कटाई शुरू कर देवें। फसल की कटाई करते समय ध्यान रखें, कि कटाई जमीन से सटाकर तेज धार वाले हसिये को तिरछे रखते हुये करें, ताकि गन्ना नीचे से फटे नहीं।
किन्नू	–	साफ सफाई	• फल तुड़ाई के बाद में बाग की साफ सफाई करके जुताई कर दें तथा पेड़ों में कंटाई छंटाई करके गुल्ले, सूखी एवं बढ़ी हुई टहनियों को काट देवें। कटाई के बाद बोर्डेक्स मिक्चर (2:2:250) का छिड़काव करें।

नोट :– अधिक जानकारी के लिए केन्द्र की किसान हेल्पलाईन मोबाईल न0 9828840302 पर सम्पर्क करें।

तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान एवं
नोडल ऑफिसर–ग्रामीण कृषि मौसम सेवा